Year - 2 Issue - 7 March 2018 ISSN 2456-0898

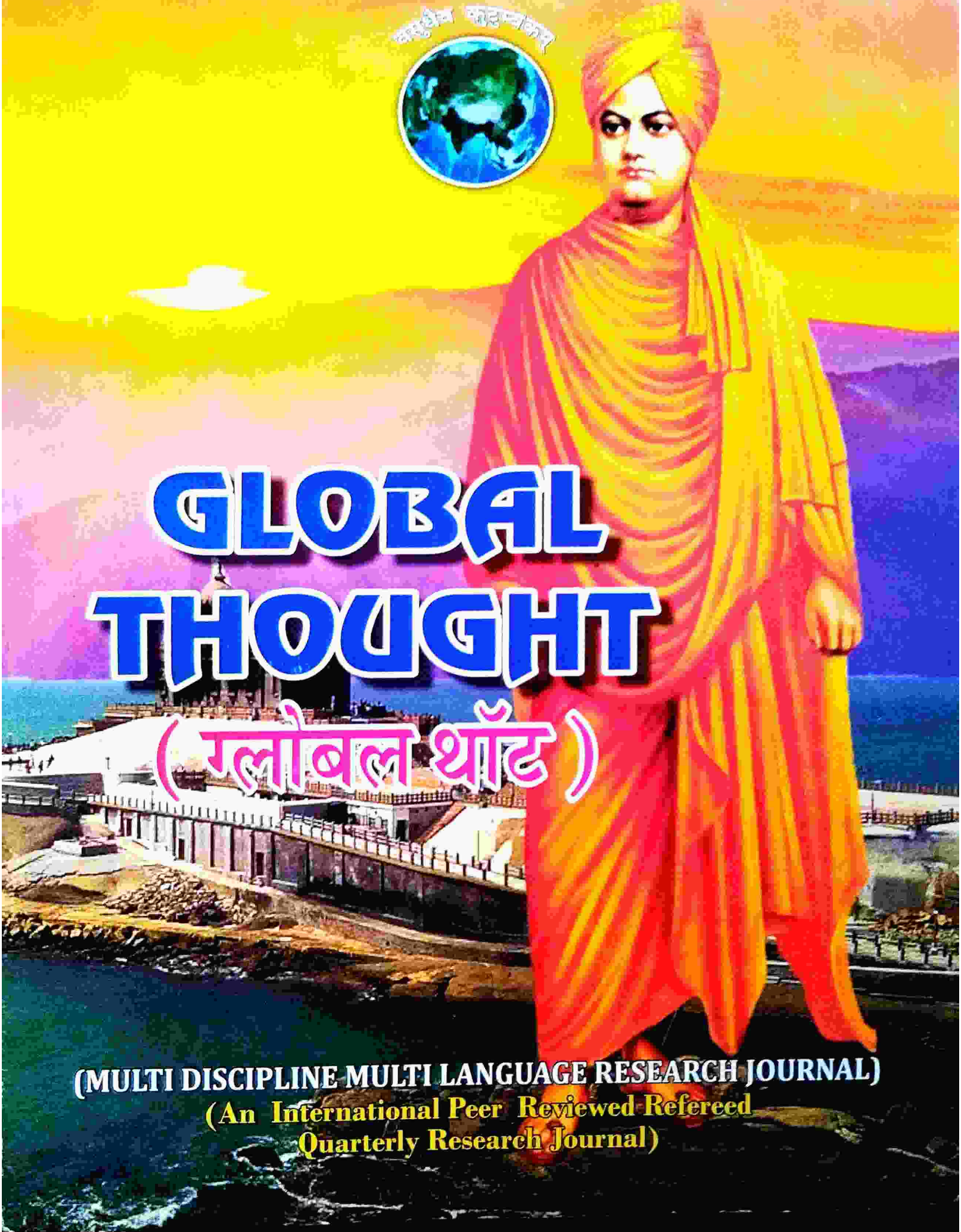

GLOBAL THOUGHT

(ग्लोबल थॉट)

(MULTI DISCIPLINE MULTI LANGUAGE RESEARCH JOURNAL)

(An International Peer Reviewed Refereed Quarterly Research Journal)

कल्पना का रचनात्मक पक्ष 145
डॉ. अनिल कुमार सिंह
हिन्दी साहित्य में महिला लेखन की स्थापित छवि को तोड़ता शक्तिशाली उपन्यास-'महाभोज' 149
डॉ. रिम्मी खिल्लन
दलित साहित्य की पृष्ठभूमि और अंतर्विरोध 152
डॉ. पदमा राम परिहार
आधुनिक रचनाशीलता में लोक-चेतना (संदर्भ : अँधेर नगरी, गोदान और मैला आँचल) 157
डॉ. रामेश्वर राय
सुशीला टाकभौरे की साहित्यिक दृष्टि 162
डॉ. सुमित्रा महरोल
स्वयं प्रकाश की कहानियों में घर 166
रचना सिंह
छायावाद के सौ साल-एक दृष्टि 171
डॉ. संगीता राय
पद्मावत में व्यक्त स्त्री-धर्म और जेंडर की अवधारणा 176
रीनू गुप्ता
दलित विमर्श का संदर्भ और ओमप्रकाश वाल्मीकि की कहानियाँ 180
डॉ. सुनीता सक्सेना
महाभारत में चित्रित कर्ण का आदर्श व्यक्तित्व 184
डॉ. धनपति कश्यप
भारतेन्दुयुग : अंतर्जातीय संपर्क एवं सांस्कृतिक अस्मिता 189
डॉ. भास्कर लाल कर्ण
भूमंडलीकरण और सूचना क्रांति का समाज पर प्रभाव : विविध पक्ष और नयी चुनौतियाँ 196
डॉ. रिम्मी खिल्लन सिंह
भारतीय लोक-जीवन और अमीर खुसरो का काव्य 199
डॉ. संगीता राय
हिन्दी पत्रकारिता में बदलाव : बदलते समाज का आईना 205
डॉ. सीमा रानी
भारतीय राष्ट्रवाद का विकास 214
डॉ. कैलाश नारायण तिवारी
वैश्वीकरण : प्रकृति और विशेषताएँ 218
डॉ. अबिता कुमारी
संस्कृत व्याकरण तथा भाषा-दर्शन के क्षेत्र में मिथिला का योगदान 223
डॉ. रणजीत कुमार मिश्र
The Predicament of Women as Subaltern in Roots and Shadows ---------- 227
Dr. Seema Naz
सिंधु घाटी सभ्यता का नगर विन्यास 231
डॉ. एम.एम. रहमान
Challenges of Self-reliance in India -------- 234
Dr. Sumit Prasher
'आषाढ़ का एक दिन' नाटक की नाट्यानुभूति 238
डॉ. नंदकिशोर
प्रमाणमञ्जरी में मोक्ष विचार 242
डॉ. दिलीप कुमार झा
स्वातंत्र्योत्तर हिन्दी उपन्यास में अभिव्यक्त राजनीतिक चेतना में बदलाव 246
डॉ. देव कुमार
अम्बेडकर और राष्ट्रवाद : समकालीन प्रासंगिकता 252
डॉ. सुषमा गुप्ता
'अपने-अपने पिंजरे' में चित्रित दलित संघर्ष 256
डॉ. चन्द्रशेखर राम
'गबन' में चित्रित मध्यवर्गीय स्त्री 259
डॉ. राम किशोर यादव / डॉ. चन्द्रशेखर राम
The Master of Hegelian Dialectics -------- 263
Dr. C. V. Babu
বাংলা সাহিত্য সমালোচনার নবদিগন্ত : বিষয়ে ও ভাবনায় 269
ড. অনির্বাণ সাহু